

राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण,

छत्तीसगढ़

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

पर्यावास भवन, सेक्टर - 19, अटल नगर, जिला - रायपुर

ई-मेल: seiaacg@gmail.com

क. 88 / एस.ई.आई.ए.ए.छ.ग. / ई.सी. / रायपुर / 734 अटल नगर, दिनांक 8 / 5 / 2019
प्रति,

मेसर्स आर.आर. इस्पात युनिट-2
(ए युनिट ऑफ गोदावरी पॉवर एण्ड इस्पात लिमिटेड),
ग्राम-अछोली,
तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

विषय :- क्षमता विस्तार के तहत ग्राम-अछोली, तहसील व जिला-रायपुर स्थित खसरा क्रमांक 271/11, 262/6, 262/3, 271/8, 271/62, 271/63, 271/64, 262/2 एवं 271/पार्ट, कुल क्षेत्रफल - 7.52 एकड़ में स्टील मेल्टिंग शॉप (थ्रू इण्डक्शन फर्नेस) क्षमता - 59,400 टन प्रतिवर्ष (02 नग गुणा 12 टन) एवं रोल्ड प्रोडक्ट्स (थ्रू सी-हीटिंग फर्नेस) क्षमता - 30,000 टन प्रतिवर्ष से 59,500 टन प्रतिवर्ष को पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने के संबंध में।

संदर्भ:- आपका आवेदन प्रपोजल नम्बर - एसआईए / सीजी / आईएनडी / 28427 / 2018, दिनांक 26 / 07 / 2018 एवं अनुवर्ती पत्राचार दिनांक 25 / 09 / 2018
---: 00 :---

उपरोक्त विषयांतर्गत कृपया संदर्भित पत्र दिनांक 26 / 07 / 2018, 24 / 10 / 2018 एवं 26 / 10 / 2018 का अवलोकन हो।

ऑनलाईन आवेदन - प्रपोजल नम्बर - एसआईए / सीजी / आईएनडी / 28427 / 2018, दिनांक 26 / 07 / 2018।

प्रस्ताव का विवरण - परियोजना प्रस्तावक द्वारा क्षमता विस्तार के तहत ग्राम-अछोली, तहसील व जिला-रायपुर स्थित खसरा क्रमांक 271/11, 262/6, 262/3, 271/8, 271/62, 271/63, 271/64, 262/2 एवं 271/पार्ट, कुल क्षेत्रफल - 2.194 हेक्टेयर (5.42 एकड़) में स्टील मेल्टिंग शॉप (थ्रू इण्डक्शन फर्नेस) क्षमता - 59,400 टन प्रतिवर्ष (02 नग गुणा 12 टन) एवं रोल्ड प्रोडक्ट क्षमता - 30,000 टन प्रतिवर्ष से 59,500 टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने हेतु टीओआर बाबत आवेदन किया गया है। क्षमता विस्तार के पश्चात् परियोजना का विनियोग रूपए 22.80 करोड होगा।

पूर्व बैठक का विवरण - एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ की दिनांक 31 / 08 / 2018 को संपन्न 254वीं बैठक में प्रकरण पर विचार किया गया था। समिति द्वारा तत्समय प्रकरण में परीक्षण उपरांत निम्न स्थिति पाई गयी:-

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा वर्तमान में स्थापित इकाई हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा जारी समिति शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की बिन्दुवार जानकारी प्रस्तुत की गई है।



2. उद्योग स्थल सिवियरली पॉल्युटेड एरिया में होने के कारण छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अटल नगर से क्षमता विस्तार के संबंध में अभिगत प्राप्त की जाए।
3. भूमि स्वामित्व / भूमि आबंटन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत की जाए। यह स्पष्ट किया जाए कि भूमि इण्डस्ट्रीयल एरिया के अंतर्गत शामिल है अथवा नहीं? यदि भूमि इण्डस्ट्रीयल एरिया के अंतर्गत शामिल है, तो इसकी पुष्टि हेतु वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा जारी प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत की जाए।
4. आवश्यक रॉ-मटेरियल एवं उत्पाद की मात्रा एवं परिवहन व्यवस्था (सड़क / रेल मार्ग) का विवरण प्रस्तुत किया जाए।
5. वर्तमान रोलिंग मिल में री-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया गया है अथवा नहीं? क्षमता विस्तार के तहत रोलिंग मिल में री-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है अथवा नहीं? री-हीटिंग फर्नेस स्थापित है तो री-हीटिंग फर्नेस की संख्या, क्षमता, ईंधन का प्रकार एवं मात्रा, प्रयुक्त ईंधन के आधार पर चिमनी की ऊंचाई गणना एवं वर्तमान में प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी। क्षमता विस्तार के तहत इण्डक्शन फर्नेस हेतु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था एवं प्रस्तावित चिमनी की ऊंचाई संबंधी गणना सहित जानकारी। क्षमता विस्तार के तहत रोलिंग मिल में यदि री-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है तो री-हीटिंग फर्नेस की संख्या, क्षमता, ईंधन का प्रकार एवं मात्रा, प्रयुक्त ईंधन के आधार पर चिमनी की ऊंचाई गणना सहित जानकारी एवं प्रस्तावित वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी प्रस्तुत की जाए।
6. सम्मति प्राप्त स्थापित क्षमता से उत्पादन की दशा में एवं क्षमता विस्तार उपरांत उत्पादन की दशा में कुल प्रदूषण भार की गणना कर (जल उपयोग की मात्रा, दूषित जल की मात्रा / गुणवत्ता, प्रदूषकों के उत्सर्जन की मात्रा एवं उत्पन्न ठोस अपशिष्टों की मात्रा) प्रस्तुत की जाए।
7. सेंट्रल ग्राउंड वाटर अथॉरिटी द्वारा जारी गाईडलाईन अनुसार परियोजना स्थल सेमी क्रिटिकल अथवा क्रिटिकल अथवा सेफ जोन के अंतर्गत आने बाबत जानकारी प्रस्तुत की जाए। ग्राउण्ड वाटर उपयोग करने हेतु सेंट्रल ग्राउंड वाटर अथॉरिटी से अनुमति की प्रति प्रस्तुत की जाए।
8. वर्तमान में स्थापित एवं क्षमता विस्तार के तहत प्रस्तावित ग्राउंड वाटर रिचार्ज व्यवस्थाओं एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्थाओं का विवरण (संख्या एवं क्षेत्रफल सहित) प्रस्तुत की जाए।
9. ले-आउट में स्थापित एवं प्रस्तावित सभी कार्यकलापों एवं वृक्षारोपण को दर्शाते हुए वृक्षारोपण की संख्या तथा क्षेत्रफल का विवरण प्रस्तुत की जाए।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को उपरोक्त जानकारी / दस्तावेज, अन्य समस्त सुसंगत जानकारियों / दस्तावेजों एवं वर्तमान स्थल के फोटोग्राफ्स सहित प्रस्तुतीकरण हेतु निर्देशित किया जाए। तदनुसार परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 26/09/2018 के द्वारा सूचित किया गया।

समिति की दिनांक 03/10/2018 को संपन्न 255वीं बैठक में प्रकरण पर विचार किया गया था। प्रस्तुतीकरण के लिए श्री दिनेश अग्रवाल, डॉयरेक्टर उपरिधत हुए। समिति द्वारा तत्समय प्रकरण में परीक्षण उपरांत निम्न स्थिति पायी गई:-

1. उद्योग स्थल सिवियरली पॉल्यूटेड एरिया (Severely Polluted Area) में होने के कारण छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अटल नगर से क्षमता विस्तार के संबंध में अभिमत हेतु एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 26/09/2018 द्वारा पत्र प्रेषित किया गया है।
2. भूमि स्वामित्व / भूमि आबंटन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं।
3. समीपस्थ स्थित क्रियाकलापों संबंधी जानकारी –
 - समीपस्थ आबादी ग्राम-उरला 1 कि.मी. एवं रायपुर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन रायपुर 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। स्वामी विवेकानंद विमानपत्तन, माना, रायपुर 20 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। खारुन नदी 3.5 कि.मी. की दूरी पर है। राष्ट्रीय राजमार्ग 3.5 कि.मी. की दूरी पर है।
 - परियोजना के बाउंड्री से लगा हुआ उत्तर दिशा में मेसर्स ग्रेविटी फेरो, दक्षिण दिशा में मेसर्स अलोक फेरो एलॉयज लिमिटेड, पूर्व दिशा में गेल्वेनाईजिंग एण्ड टीएलटी डिविजन, मेसर्स हीरा फेरो एलॉयज लिमिटेड एवं मेसर्स हीरा पॉवर एण्ड स्टील लिमिटेड, पश्चिम दिशा में भूमि रिक्त है।
 - परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्राज्जीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित क्रिटिकली पॉल्यूटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
4. लेण्ड एरिया स्टेटमेंट – रोलिंग मिल एवं स्टील मेल्टिंग शॉप का क्षेत्रफल 4.005 एकड़, रोड एवं खुला क्षेत्र 2.482 एकड़, तथा हरित पट्टिका हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल – 1.033 एकड़ होगा। इस प्रकार कुल क्षेत्रफल 7.52 एकड़ है।
5. रॉ-मटेरियल –

Raw Material & finished products of the Rolling mill and SMS		
Name of Raw Material	Quantity (TPA)	Mode Transport
Sponge Iron	64,550	By Road
Scrap	7,805	By Road
Flux	507	By Road
Silico Manganese (Ferro)	890	By Road
Coal for Gasifier	8,800	By Road
Billets	63,665	By Road

Fuel Requirement for Gasifier			
Products	Unit	Producer gas requirement	Fuel (Coal for Gasifier)



Existing	Rolled Products	30,000 TPA	95,40,000 Nm ³	4,400 TPA
	Binding wire	30,000 TPA	95,40,000 Nm ³	4,400 TPA
Proposed	Rolled Products	59,500 TPA	1,98,21,000 Nm ³	7,735 TPA

वर्तमान में गैसीफायर हेतु 3,000 Kcal / Kg कोल का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। जिससे प्रतिटन 147 कि.ग्रा. कोयले (कुल 8,800 टन) की आवश्यकता होगी। क्षमता विस्तार के तहत गैसीफायर हेतु 3,500 Kcal / Kg का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। जिससे प्रतिटन 130 कि.ग्रा. कोयले (कुल 7,735 टन) की आवश्यकता होगी। इस प्रकार गैसीफायर हेतु उच्च गुणवत्ता के कोयले का उपयोग करने से इसकी मात्रा में कमी होना प्रस्तावित है।

6. स्थापित एवं प्रस्तावित इकाईयों संबंधी जानकारी –

- वर्तमान में कोल गैसीफायर आधारित रोलिंग मिल क्षमता – 30,000 टन प्रतिवर्ष एवं बाईंडिंग वॉयर क्षमता – 30,000 टन प्रतिवर्ष हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से सम्मति प्राप्त की गई है। रोलिंग मिल क्षमता 30,000 टन प्रतिवर्ष की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। क्षमता विस्तार के तहत 01 शिफ्ट से बढ़ाकर 02 शिफ्ट करते हुए क्षमता में वृद्धि किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतिकरण के दौरान बताया गया कि सम्मति प्राप्त बाईंडिंग वॉयर प्लांट क्षमता – 30,000 टन प्रतिवर्ष की स्थापना नहीं किया जाएगा।
- प्रस्तावित स्टील मेल्टिंग शॉप के तहत इंडक्शन फर्नेसेस (02 गुणा 12 टन) क्षमता – 59,400 टन प्रतिवर्ष स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। इंडक्शन फर्नेसेस से प्राप्त इगाट्स/बिलेट्स को रोलिंग मिल में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है।

7. वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था – रोलिंग मिल में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु हीटरिकुपरेटर एवं साइक्लोन वॉटर स्क्रबर तथा 33 मीटर ऊंची चिमनी स्थापित है। क्षमता विस्तार के तहत चिमनी की ऊंचाई में वृद्धि प्रस्तावित नहीं है। स्टील मेल्टिंग शॉप में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु सक्शन हुड के साथ बेग फिल्टर एवं 33 मीटर ऊंची चिमनी स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। उपरोक्त व्यवस्था से पार्टिकुलेट मेटर का उत्सर्जन 50 मिलिग्राम/सामान्य घनमीटर से कम रखा जाना प्रस्तावित है। फ्युजिटीव डस्ट उत्सर्जन नियंत्रण हेतु जल छिड़काव किया जाना प्रस्तावित है।

8. ठोस अपशिष्ट अपवहन व्यवस्था – क्षमता विस्तार के तहत रोलिंग मिल से मिल स्कैल-1,097 टन प्रतिवर्ष, एण्ड कटिंग-595 टन प्रतिवर्ष, क्लिकर ऐश-3,094 टन प्रतिवर्ष, टार-08 किलोलीटर प्रतिदिन एवं स्टील मेल्टिंग शॉप से स्लेग-13,840 टन प्रतिवर्ष ठोस अपशिष्ट के रूप में उत्पन्न होगा। मिल स्कैल को प्रस्तावित स्टील मेल्टिंग शॉप में उपयोग किया जाएगा। क्लिकर ऐश समीपस्थ ब्रिक्स प्लांट्स को विक्रय किया जाएगा। स्लेग से मेटल रिकवर कर स्टील मेल्टिंग शॉप में उपयोग एवं शेष को लैण्ड फिलिंग हेतु किया जाएगा। टार को अधिकृत रिसायक्लर इकाईयों को विक्रय किया जाएगा।

9. जल प्रबंधन व्यवस्था -

- **जल खपत एवं स्रोत** - वर्तमान में रोलिंग मिल परियोजना हेतु कुल 50 घनमीटर प्रतिदिन का उपयोग किया जाता है। क्षमता विस्तार उपरांत रोलिंग मिल परियोजना हेतु अतिरिक्त जल की आवश्यकता नहीं होगी एवं स्टील मेल्टिंग शॉप परियोजना हेतु 360 घनमीटर प्रतिदिन का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। आवश्यक जल की आपूर्ति छत्तीसगढ़ इस्पात भूमि लिमिटेड से की जाती है। यही व्यवस्था क्षमता विस्तार हेतु भी अपनाई जाएगी।
- **जल प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था** - औद्योगिक प्रक्रिया से दूषित जल उत्पन्न नहीं होता है। कूलिंग उपरांत प्राप्त दूषित जल को ठंडा कर पुनः कूलिंग हेतु उपयोग में लाया जाता है। क्षमता विस्तार के तहत उपरोक्त व्यवस्था अपनाई जाएगी। वर्तमान में घरेलू दूषित जल के उपचार हेतु सेप्टिक टैंक एवं सोकपिट निर्माण किया गया है। शून्य निस्सारण की स्थिति रखी जाएगी।
- **भू-जल उपयोग प्रबंधन** - उद्योग स्थल सेंट्रल ग्राउण्ड वाटर बोर्ड के अनुसार सेमी क्रिटिकल जोन में आता है। जिसके अनुसार:-
 - (अ) वृहद एवं मध्यम उद्योगों को कम से कम 50 प्रतिशत दूषित जल का पुनःचक्रण एवं पुनःउपयोग किया जाना है।
 - (ब) ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज हेतु अपनाई गई तकनीक यथा रेनवाटर हार्वेस्टिंग / ऑर्टिफिशियल जल रिचार्ज के आधार पर भू-जल निकाले जाने की अनुमति सेंट्रल ग्राउण्ड वाटर बोर्ड द्वारा दिए जाने का प्रावधान है। अतः उद्योग को रेनवाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था किया जाना आवश्यक है।
 - (स) ग्राउण्ड वाटर उपयोग करने हेतु सेंट्रल ग्राउंड वाटर अथॉरिटी की अनुमति दिनांक 10/04/2018 द्वारा प्राप्त किया गया है।
- **रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था** - रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था के अंतर्गत रिचार्ज स्ट्रक्चर निर्मित किया जाएगा।

10. **विद्युत खपत एवं स्रोत** - क्षमता विस्तार के तहत रोलिंग मिल परियोजना हेतु 04 मेगावाट एवं स्टील मेल्टिंग शॉप परियोजना हेतु 10 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता है, जिसकी आपूर्ति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी से की जाएगी।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. प्रस्तुत भूमि स्वामित्व / भूमि आबंटन संबंधी दस्तावेज अपूर्ण है। पूर्ण प्रस्तुत दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
2. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा वर्तमान में स्थापित इकाईयों हेतु जारी सम्मति शर्तों के पालन में की कार्यवाही की बिन्दुवार आवश्यक जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुत की जाए।
3. वर्तमान में स्थापित एवं क्षमता विस्तार के तहत प्रस्तावित ग्राउंड वाटर रिचार्ज व्यवस्थाओं एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्थाओं का संशोधित विवरण (संख्या एवं क्षेत्रफल सहित) प्रस्तुत किया जाए।
4. वर्तमान में सम्मति प्राप्त रोलिंग मिल में री-हीटिंग फर्नेस एवं बाईन्डिंग वॉयर प्लांट से पार्टिकुलेट मैटर एवं गैसीयस उत्सर्जन की निर्धारित मात्रा एवं क्षमता विस्तार उपरांत रोलिंग मिल री-हीटिंग फर्नेस तथा इण्डक्शन फर्नेस से

पार्टिकुलेट मेटर एवं गैसीयस उत्सर्जन की मात्रा टन प्रतिवर्ष में गणना कर संशोधित जानकारी प्रस्तुत की जाए।

5. जल की आपूर्ति सी.एस.आई.डी.सी. द्वारा किया जाना बताया गया है। इस बाबत सी.एस.आई.डी.सी. से प्राप्त अनुमति पत्र की प्रति प्रस्तुत की जाए।
6. भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ओ.एम. दिनांक 01/05/2018 के अनुसार सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवेदन के समय कुल क्षेत्रफल - 2.194 हेक्टेयर (5.42 एकड़) बताया गया था। प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत लेण्ड एरिया स्टेटमेंट एवं ले-आउट प्लान में कुल क्षेत्रफल - 7.52 एकड़ बताया गया है। प्रस्तुत जानकारियों में भिन्नता है। इन विसंगतियों के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए हरित पट्टिका के विकास हेतु कुल क्षेत्रफल का 33 प्रतिशत क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु संशोधित प्रस्ताव KML File सहित प्रस्तुत की जाए।

समिति की दिनांक 03/10/2018 को संपन्न 255वीं बैठक के परिपेक्ष्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी / दस्तावेज दिनांक 24/10/2018 एवं 26/10/2018 को प्रस्तुत की गई।

समिति की दिनांक 28/10/2018 को संपन्न 261वीं बैठक में प्रकरण पर विचार किया गया था। समिति द्वारा तत्समय प्रकरण में परीक्षण उपरांत निम्न स्थिति पाई गयी:-

1. भूमि स्वामित्व / भूमि आबंटन संबंधी दस्तावेज की पूर्ण जानकारी प्रस्तुत कर दी गई है।
2. वर्तमान में उद्योग निर्माणाधिन है अतः पूर्व में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल क्षेत्रीय कार्यालय से प्राप्त सम्मति के कार्यावाही की बिन्दुवार जानकारी निर्माण कार्य पूर्ण होने पर दी जाएगी।
3. वर्तमान में प्रस्तावित क्षमता विस्तार के तहत ग्राण्ड वाटर रिचार्ज व्यवस्थाओं के लिए हाइड्रोजियोलाजिस्ट से तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त कर उचित एवं उपयुक्त संख्या में रेनवाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण किया जाएगा।
4. वर्तमान में सम्मति प्राप्त रोलिंग मिल में री-हीटिंग फर्नेस एवं बाईन्डिंग वॉयर प्लांट से पार्टिकुलेट मेटर एवं गैसीयस उत्सर्जन की निर्धारित मात्रा एवं क्षमता विस्तार उपरांत रोलिंग मिल री-हीटिंग फर्नेस तथा इण्डक्शन फर्नेस से पार्टिकुलेट मेटर एवं गैसीयस उत्सर्जन की मात्रा टन प्रतिवर्ष में गणना कर संशोधित जानकारी प्रस्तुत की गई है। जिसके अनुसार सम्मति प्राप्त रोलिंग मिल में री-हीटिंग फर्नेस एवं बाईन्डिंग वॉयर प्लांट से उत्पादन किए जाने से एसओ₂ उत्सर्जन की मात्रा 87.90 टन प्रतिवर्ष एवं पार्टिकुलेट मेटर उत्सर्जन की मात्रा 1.19 टन प्रतिवर्ष होना बताया गया है। प्रस्तावित कार्यकलाप से एसओ₂ उत्सर्जन की मात्रा 77.35 टन प्रतिवर्ष एवं पार्टिकुलेट मेटर डस्ट उत्सर्जन की मात्रा 7.08 टन प्रतिवर्ष होना बताया गया है। प्रस्तुत प्रदूषण भार में प्रस्तावित रोलिंग मिल के क्षमता विस्तार से उत्सर्जित होने वाले पार्टिकुलेट मेटर की मात्रा 1.41 टन प्रतिवर्ष होना बताया गया है, जो सम्मति प्राप्त रोलिंग मिल से अधिक है। इसे कम किए जाने पर विचार किया जाना संभव होगा। साथ ही सम्मति प्राप्त प्रस्तावित बाईन्डिंग वॉयर प्लांट से पार्टिकुलेट मेटर की मात्रा 1.19 टन प्रतिवर्ष



होना बताया गया है, जो वास्तविक प्रतीत नहीं होती है। अतः गणना कर संशोधित प्रदूषण भार की जानकारी लिया जाना आवश्यक है।

5. जल की आपूर्ति सी.एस.आई.डी.सी. द्वारा किया जाना बताया गया है। इस बाबत सी.एस.आई.डी.सी. से प्राप्त अनुमति पत्र दिनांक 25/10/2018 की प्रति प्रस्तुत की गई है।
6. भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ओ. एम. दिनांक 01/05/2018 के अनुसार सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा में सीएसआईडीसी से प्राप्त 5 एकड़ बंजर भूमि का विकास कर वृक्षारोपण एवं सिंचाई हेतु टपकन सिंचाई (Drip Irrigation) पद्धति विकसित कर क्षेत्र को ऑक्सिजन बनाया गया था। जिसे हेतु प्रस्तावित क्षमता विस्तार में होने वाली लागत (10 करोड़) का 01 प्रतिशत व्यय किया जाएगा।
7. उद्योग द्वारा आवेदन के समय कुल क्षेत्रफल - 5.42 एकड़ बताया गया था चूंकि समस्त आवश्यक सुविधा एवं पर्यावरणीय व्यवस्था हेतु भूमि क्षेत्र को 7.52 एकड़ किया गया है, जो उद्योग के नाम पर है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था कि:-

1. वर्तमान में प्रस्तुत सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) में समिति द्वारा चाही गई प्रस्ताव का समावेश नहीं किया गया है। अतः समीपस्थ शासकीय स्कूल/महाविद्यालय में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, वृक्षारोपण आदि का समावेश कर संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
2. प्रस्तुत प्रदूषण भार में प्रस्तावित रोलिंग मिल के क्षमता विस्तार से उत्सर्जित होने वाले पार्टिकुलेट मेटर की मात्रा 1.41 टन प्रतिवर्ष होना बताया गया है, जो सम्मति प्राप्त रोलिंग मिल से अधिक है। इसे कम किए जाने पर विचार किया जाना संभव होगा। साथ ही सम्मति प्राप्त प्रस्तावित बाईडिंग वॉयर प्लांट से पार्टिकुलेट मेटर की मात्रा 1.19 टन प्रतिवर्ष होना बताया गया है, जो वास्तविक प्रतीत नहीं होती है। अतः गणना कर संशोधित प्रदूषण भार की जानकारी प्रस्तुत की जाए।

समिति की दिनांक 28/10/2018 को संपन्न 261वीं बैठक के परिपेक्ष्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी / दस्तावेज दिनांक 06/12/2018 द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जो अस्पष्ट है।

समिति की दिनांक 07/12/2018 को संपन्न 264वीं बैठक में प्रकरण पर विचार किया गया था। समिति द्वारा तत्समय प्रकरण में परीक्षण उपरांत स्थिति पाई गयी थी कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा समिति के समक्ष वांछनीय जानकारियां यथा प्रदूषणभार संबंधी जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया परियोजना प्रस्तावक उपरोक्त जानकारियां/दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया जाए। तदनुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए. सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 31/12/2018 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

समिति द्वारा बैठक में विचार - समिति की दिनांक 07/01/2019 को संपन्न 265वीं बैठक में प्रकरण पर विचार किया गया। प्रस्तुतीकरण हेतु श्री दिनेश अग्रवाल, डॉयरेक्टर उपस्थित हुए। समिति द्वारा नस्ती/जानकारी का अवलोकन किया गया। समिति द्वारा परीक्षण किया एवं पाया गया कि:-

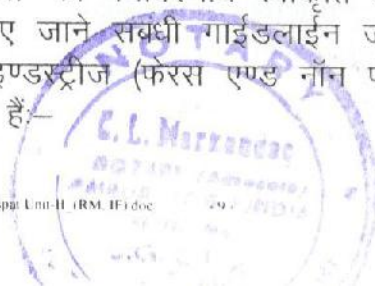
1. भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ओ. एम. दिनांक 01/05/2018 के अनुसार सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के समक्ष विस्तार से चर्चा उपरांत निम्नानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Additional Capital Investment (in Lakh)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh)
Rs. 1000	1%	Rs. 10	Arrangement of RO drinking water facility with cooler at Anansha school (Physically Handicapped School).	Rs. 1
			Rain Water Harvesting developed at Anansha school.	Rs. 1
			Plantation with dripping system at Anansha school.	Rs. 1
			Solar water pumping system for drinking & other purpose along with RO for drinking water.	Rs. 5
			Rain Water Harvesting developed at govt. school in urla achholi, Raipur.	Rs. 1
			Plantation with dripping system at govt. school in urla achholi, Raipur	Rs. 1.5
			Total	Rs. 10.5

2. रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था – उद्योग परिसर में वर्षा के पानी का कुल रनऑफ 36,518 घनमीटर है। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था के अंतर्गत 16 नग रिचार्ज स्ट्रक्चर्स निर्मित किया जाएगा। क्षमता विस्तार के तहत 15 नग रिचार्ज वेल (1.5 मीटर व्यास एवं 3.0 मीटर गहराई) एवं 4 नग रिचार्ज ट्रेंच कम बोर वेल विथ डिसेटलिंग चेंबर एवं वॉटर ट्रेंचिंग 1 नग स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था पश्चात् परिसर के पूर्ण रनऑफ को रिचार्ज किया जा सकेगा। सभी रिचार्ज स्ट्रक्चर्स इस प्रकार निर्मित किए जाएंगे कि इनमें समान मात्रा में वर्षा जल का बहाव हो सके।
3. वृक्षारोपण की स्थिति – परियोजना हेतु 2,482 एकड़ (33 प्रतिशत) क्षेत्रफल में हरित पट्टिका का विकास किया जाना प्रस्तावित है।
4. परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि परियोजना में सी-जनरेटिव बर्नर टेक्नोलॉजी के उपयोग किये जाने से ईंधन की मात्रा में 15-20 प्रतिशत कमी होगी। फलस्वरूप उत्पन्न फ्लू गैस की मात्रा में भी कमी होगी। वर्तमान में गैसीफायर हेतु 147 कि.ग्रा. प्रतिटन कोयले की आवश्यकता होती है। क्षमता विस्तार के तहत गैसीफायर हेतु 3,000 Kcal / Kg के कोल का

उपयोग करने से 130 कि.ग्रा. प्रतिटन कोयले की आवश्यकता होगी। फलस्वरूप कोयले की मात्रा में कमी होना प्रस्तावित है। रोलिंग मिल के री-हीटिंग फर्नेस में स्थापित वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था में उन्नयन कर पार्टिकुलेट मीटर का उत्सर्जन 30 मिलिग्राम/सामान्य घनमीटर से कम रखा जाना प्रस्तावित है। साथ ही बाईन्डिंग वॉयर प्लांट का उत्पादन बंद कर दिया जाएगा। इण्डक्शन फर्नेस से पार्टिकुलेट मीटर का उत्सर्जन 25 मिलिग्राम/सामान्य घनमीटर से कम रखा जाना प्रस्तावित है।

5. सम्मति प्राप्त रोलिंग मिल में री-हीटिंग फर्नेस एवं बाईन्डिंग वॉयर प्लांट से उत्पादन किए जाने से एसओ₂ उत्सर्जन की मात्रा 87.90 टन प्रतिवर्ष एवं पार्टिकुलेट मीटर उत्सर्जन की मात्रा 2.385 टन प्रतिवर्ष है। री-जनरेटिव बर्नर टेक्नोलॉजी के उपयोग किये जाने से रोलिंग मिल में री-हीटिंग फर्नेस से एसओ₂ उत्सर्जन की मात्रा 65.62 टन प्रतिवर्ष एवं पार्टिकुलेट मीटर का उत्सर्जन 30 मिलिग्राम/सामान्य घनमीटर से कम रखे जाने पर डस्ट उत्सर्जन की मात्रा 1.154 टन प्रतिवर्ष होगी। प्रस्तावित स्टील मेल्टिंग शॉप हेतु पार्टिकुलेट मीटर का उत्सर्जन 25 मिलिग्राम/सामान्य घनमीटर से कम रखे जाने पर डस्ट उत्सर्जन की मात्रा 4.722 टन प्रतिवर्ष होगी। इस प्रकार प्रस्तावित कार्यकलाप से उत्सर्जित कुल पार्टिकुलेट मीटर की मात्रा 5.876 टन प्रतिवर्ष की होगी। अतः प्रस्तावित कार्यकलाप से पार्टिकुलेट मीटर की मात्रा 3.491 टन प्रतिवर्ष की वृद्धि तथा एसओ₂ में 22.28 टन प्रतिवर्ष की कमी होगी।
6. एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 26/09/2018 के परिपेक्ष्य में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अटल नगर द्वारा अभिमत ज्ञापन दिनांक 05/12/2018 के द्वारा प्रस्तुत किया गया है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अटल नगर द्वारा निम्नानुसार अभिमत दिया गया है:-
"उद्योग द्वारा प्रभावी एवं सक्षम प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था किये जाने पर पार्टिकुलेट मीटर उत्सर्जन की मात्रा में प्रभावी वृद्धि की संभावना प्रतीत नहीं होती है तथा परिवेशीय वायु गुणवत्ता में नगण्य प्रभाव पड़ने की संभावना है।"
7. उद्योग में प्रस्तावित क्षमता विस्तार हेतु अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित नहीं है। अतः किसी भी प्रकार के पुनर्वास एवं पुनःस्थापना की स्थिति निर्मित नहीं होती है।
8. स्थल ग्राम-अछोली में स्थित है एवं आसपास कई उद्योग स्थापित एवं संचालित है।
9. क्षमता विस्तार से प्रतिवर्ष उत्सर्जित होने वाले पार्टिकुलेट मीटर की मात्रा में कमी तथा जल उपभोग की मात्रा में आंशिक वृद्धि होने से पर्यावरणीय घटकों पर विपरित प्रभाव पड़ने की संभावना नगण्य है।
10. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अटल नगर द्वारा इकाई की स्थापना से प्रदूषण में प्रभावी वृद्धि की संभावना नहीं बताई गई है।
11. भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ओ. एम. नं. J-13012/12/2013-IA-II(I) दिनांक 24/12/2013 के अनुसार 'बी' श्रेणी की परियोजनाओं 'को पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने हेतु 'बी1' अथवा 'बी2' कटेगरी में किए जाने संबंधी गाईडलाईन जारी किए गए हैं, जिसके अनुसार मेटालर्जिकल इण्डस्ट्रीज (फेरस एण्ड नॉन फेरस) हेतु निम्नानुसार गाईडलाईन जारी किए गए हैं:-



Handwritten signature in blue ink over a circular official stamp.

"Category B2 – All non toxic secondary metallurgical processing industries involving operation of furnaces only, such as induction and electric arc furnaces, submerged arc furnaces, and cupola with capacity > 30,000 TPA but < 60,000 TPA provided that such projects are located within the notified Industrial Estates."

12. ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 2006 (यथा संशोधित) के पैरा 7(ii)(a) के अनुसार State Level Expert Appraisal Committee will decide on due diligence necessary including preparation of Environment Impact Assessment and Public consultations and the application shall be appraised accordingly for grant of environmental clearance.

अतः उपरोक्त बिन्दु क्रमांक 12 के आधार पर "बी1" श्रेणी के अंतर्गत माना गया। समिति द्वारा उपरोक्त बिन्दुओं में उल्लेखित तथ्यों के आधार पर समग्र रूप से विचार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित कार्यकलाप हेतु इन्फ्रॉयरोन्मेंट इम्पेक्ट असेसमेंट रिपोर्ट तथा लोक सुनवाई की आवश्यकता प्रतिपादित नहीं होती है।

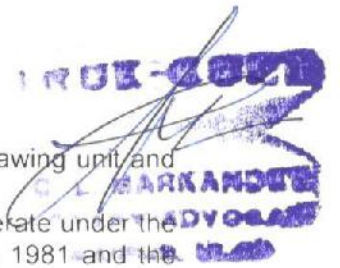
अतः उपरोक्त तथ्यों के आधार पर समिति द्वारा विचार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से क्षमता विस्तार के तहत ग्राम-अछोली, तहसील व जिला-रायपुर स्थित खसरा क्रमांक 271/11, 262/6, 262/3, 271/8, 271/62, 271/63, 271/64, 262/2 एवं 271/पार्ट, कुल क्षेत्रफल - 7.52 एकड़ में स्टील मेल्टिंग शॉप (थ्रू इण्डक्शन फर्नेस) क्षमता - 59,400 टन प्रतिवर्ष (02 नग गुणा 12 टन) एवं रोल्ड प्रोडक्ट्स (थ्रू री-हीटिंग फर्नेस) क्षमता - 30,000 टन प्रतिवर्ष से 59,500 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति दिए जाने की अनुशंसा की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार - उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 22/04/2019 को संपन्न 83वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। विचार विमर्श उपरांत प्राधिकरण द्वारा सर्वसम्मति से समिति की अनुशंसा को स्वीकार करते हुये क्षमता विस्तार के तहत ग्राम-अछोली, तहसील व जिला-रायपुर स्थित खसरा क्रमांक 271/11, 262/6, 262/3, 271/8, 271/62, 271/63, 271/64, 262/2 एवं 271/पार्ट, कुल क्षेत्रफल - 7.52 एकड़ में स्टील मेल्टिंग शॉप (थ्रू इण्डक्शन फर्नेस) क्षमता - 59,400 टन प्रतिवर्ष (02 नग गुणा 12 टन) एवं रोल्ड प्रोडक्ट्स (थ्रू री-हीटिंग फर्नेस) क्षमता - 30,000 टन प्रतिवर्ष से 59,500 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने का निर्णय लिया गया।

तदनुसार क्षमता विस्तार के तहत ग्राम-अछोली, तहसील व जिला-रायपुर स्थित खसरा क्रमांक 271/11, 262/6, 262/3, 271/8, 271/62, 271/63, 271/64, 262/2 एवं 271/पार्ट, कुल क्षेत्रफल - 7.52 एकड़ में स्टील मेल्टिंग शॉप (थ्रू इण्डक्शन फर्नेस) क्षमता - 59,400 टन प्रतिवर्ष (02 नग गुणा 12 टन) एवं रोल्ड प्रोडक्ट्स (थ्रू री-हीटिंग फर्नेस) क्षमता - 30,000 टन प्रतिवर्ष से 59,500 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है-

I. Statutory Compliance:

- The project proponent shall permanently shutdown wired drawing unit and dismantal all releted plant and machinery.
- The project proponent shall obtain Consent to Establish / Opefate under the provisions of the Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981 and the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974 from the Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB).
- The project proponent shall obtain all necessary permission from the Central Ground Water Authority, in case of drawl of ground water / from the



competent authority concerned in case of drawl of surface water required for the project.

- iv. The project proponent shall obtain authorization under the Hazardous and Other Waste Management Rules, 2016 as amended from time to time.

II. Air Quality Monitoring and Preservation

- i. The project proponent shall install 24x7 continuous emission monitoring system at process stacks to monitor stack emission with respect to standards prescribed in Environment (Protection) Rules 1986 vide G.S.R 277(E) dated 31st March 2012 (applicable to IF/EAF) as amended from time to time; and connected to SPCB and CPCB online servers and calibrate these system from time to time according to equipment supplier specification through labs recognized under Environment (Protection) Act, 1986 or NABL accredited laboratories.
- ii. The project proponent shall monitor fugitive emissions in the plant premises at least once in every quarter through laboratories recognized under Environment (Protection) Act, 1986 or NABL accredited laboratories.
- iii. The project proponent shall make provision for carryout Ambient Air Quality monitoring for common / criterion parameters relevant to the main pollutant released (e.g. PM₁₀ and PM_{2.5} in reference to PM emission, and SO₂ and NO_x in reference to SO₂ and NO_x emissions) within and outside the plant area (at least at four locations one within and three outside the plant area at an angle of 120° each), covering upwind and downwind directions.
- iv. The project proponent shall provide adequate air pollution control arrangements at all point and non point sources. Collecting hoods with bag filters of adequate capacity and high efficiency shall be installed in induction furnace(s) with minimum 33 meter stack height to ensure particulate matter emission less than 25 mg/Nm³ all the time. Scrubber / bag filters of adequate capacity and high efficiency shall be installed in re-heating furnace of re-rolling mill with minimum 33 meter stack height to ensure particulate matter emission less than 30 mg/Nm³ all the time. The project proponent shall provide leakage detection and mechanized bag cleaning facilities for better maintenance of bags. Project proponent shall install suitable & effective air pollution control equipments at all transfer points, junction points etc. also. All the conveying system, transfer point, junction point etc. shall be covered. Adequate provision shall be made for sprinkling of water at strategic locations to ensure dust does not get air borne. For controlling fugitive dust, regular sprinkling of water in vulnerable areas of the plant shall be ensured. Proper ventilation shall also be provided in induction furnace plant. All air pollution control systems shall be kept in good running condition all the time and failure (if any), shall be immediately rectified without delay; otherwise, similar alternate arrangement shall be made. In the event of any failure of any pollution control system adopted by the Project proponent, the respective production unit shall not be restarted until the control measures are rectified to achieve the desired efficiency. As per proposal submitted emission of pollutants from any point source shall not exceed the following limit: -

Particulate Matter	
Induction Furnace	25 mg/Nm ³ (Twenty Five Milligram per Normal Cubic Meter)
Rolling Mill	30 mg/Nm ³ (Thirty Milligram per Normal Cubic Meter)

Project proponent shall provide proper space provision for further retrofitting of air pollution control systems in case of further stringency of particulate

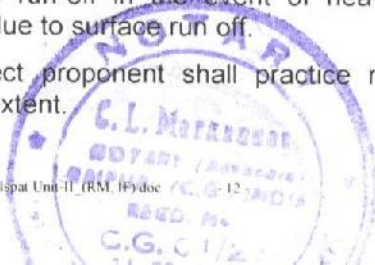


matter emission limit. The height of any other stack(s) shall not be less than 30 meters.

- v. The project proponent shall submit monthly summary report of continuous stack emission and air quality monitoring and results of manual stack monitoring and manual monitoring of air quality / fugitive emissions to Regional Office of Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur, Zonal office of CPCB and Regional Office of Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) along with six-monthly monitoring report.
- vi. Sufficient number of mobile or stationery vacuum cleaners shall be provided to clean plant roads, shop floors, roofs, regularly.
- vii. Recycle and reuse iron ore fines and such other fines collected in the pollution control devices and vacuum cleaning devices in the process.
- viii. The project proponent shall use mechanically covered leak proof trucks / dumpers vehicles for transportation of raw materials.
- ix. At entry and exit point of plant, wheel wash system shall be provided to control wheel generated dust.
- x. Provision for monitoring of vehicles by installation of closed-circuit cameras (CCTV) at suitable locations i.e. entry gate, weigh bridge, internal parking area etc. shall also be made to ensure the incoming and outgoing vehicles are mechanically covered.
- xi. The project proponent shall provide covered sheds for raw materials like scrap and sponge iron etc.

III. Water Quality Monitoring and Preservation

- i. The project proponent shall provide adequate facility for proper treatment of industrial effluent and domestic effluent. Sewage Treatment arrangement shall be provided for treatment of domestic effluent to meet the prescribed standards. Project proponent shall ensure the treated effluent quality within standard prescribed by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India under G.S.R 277(E) dated 31st March 2012 (applicable to IF/EAF) as amended from time to time. No effluent shall be discharged out of plant premises under any circumstances. Any liquid effluent what so ever generated shall not be discharged into the river or any surface water bodies under any circumstances, and it shall be reused wholly in the process / plantation within plant area. Adhere to 'Zero Liquid Discharge'.
- ii. The project proponent shall monitor regularly ground water quality at least twice a year (pre and post monsoon) at sufficient numbers of piezometers / sampling wells in the plant and adjacent areas through labs recognized under Environment (Protection) Act, 1986 and NABL accredited laboratories.
- iii. The project proponent shall submit monthly summary report of effluent monitoring and results of manual effluent testing and manual monitoring of ground water quality to Regional Office of Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur, Zonal office of CPCB and Regional Office of Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) along with six-monthly monitoring report.
- iv. Garland drains and collection pits shall be provided for each stock pile to arrest the run-off in the event of heavy rains and to check the water pollution due to surface run off.
- v. The project proponent shall practice rainwater harvesting to maximum possible extent.



- vi. The project proponent shall make efforts to minimize water consumption in the plant by segregation of used water, practicing cascade use and by recycling treated water.

IV. Noise Monitoring and Prevention

- i. Noise level survey shall be carried as per the prescribed guidelines and report in this regard shall be submitted to Regional Office of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur as a part of six-monthly compliance report.
- ii. The ambient noise levels should conform to the standards prescribed under Environment (Protection) Rules, 1986 viz. 75 dB (A) during day time and 70 dB (A) during night time.

V. Energy Conservation Measures

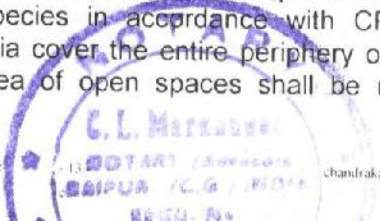
- i. Practice hot charging of slabs and billets/blooms as maximum as possible.
- ii. Ensure installation of regenerative type burners on all reheating furnace(s). The project proponent shall not utilize any solid fuel such as coal as fuel directly in the re-heating furnace. Only gas from producer gas plant shall be used in existing reheating furnace as a fuel. No additional reheating furnace(s) shall be installed.
- iii. Provide solar power generation on roof tops of buildings, for solar light system for all common areas, street lights, parking around project area and maintain the same regularly.
- iv. The project proponent shall ensure use of LED lights in their offices and residential areas.

VI. Waste Management

- i. The project proponent shall take effective steps for safe disposal of solid wastes and sludge. Furnace slag shall be sold to slag crushing units. Defective billets/ runner riser and miss rolls shall be used as raw material in own Induction Furnace(s) for steel making. Coal ash shall be provided to bricks manufacturing units. Oily sludge, refractory waste etc. shall be sold to authorized recyclers / re-processors for proper disposal through incineration.
- ii. Used refractories shall be recycled as far as possible.
- iii. The waste oil, grease and other hazardous waste shall be disposed of as per the Hazardous & Other Waste (Management & Transboundary Movement) Rules, 2016.
- iv. The project proponent shall utilize fly ash bricks / blocks etc. in all construction activities.
- v. Kitchen waste (if any) shall be composted or converted to biogas for further use.

VII. Green Belt

- i. Green belt shall be developed in an area equal to 33% of the plant area with a native tree species in accordance with CPCB guidelines. The greenbelt shall inter alia cover the entire periphery of the plant. As far as possible maximum area of open spaces shall be utilized for plantation purposes.



- ii. The project proponent shall prepare GHG emissions inventory for the plant and shall submit the programme for reduction of the same including carbon sequestration including plantation.

VIII. Human health Issues

- i. Emergency preparedness plan based on the Hazard Identification and Risk Assessment (HIRA) and Disaster Management Plan shall be implemented.
- ii. The project proponent shall carry out heat stress analysis for the workmen who work in high temperature work zone and provide Personal Protection Equipment (PPE) as per the norms of Factory Act.
- iii. Provision shall be made for the housing of construction labour within the site with all necessary infrastructure and facilities such as fuel for cooking, mobile toilets, mobile STP, safe drinking water, medical health care, creche etc. The housing may be in the form of temporary structures to be removed after the completion of the project.
- iv. Occupational health surveillance of the workers shall be done on a regular basis and records maintained as per the Factories Act.

IX. Corporate Environment Responsibility

- i. The project proponent shall comply with the provisions of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi OM vide F.No. 22-65/2017-IA.III dated 1st May 2018, as applicable, regarding Corporate Environment Responsibility. Project proponent shall made CER fund as follows:-

Additional Capital Investment (in Lakh)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh)
Rs. 1000	1%	Rs. 10	Arrangement of RO drinking water facility with cooler at Anansha school (Physically Handicapped School).	Rs. 1
			Rain Water Harvesting developed at Anansha school.	Rs. 1
			Plantation with dripping system at Anansha school.	Rs. 1



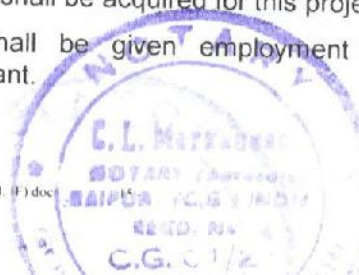
Signature of Chandrakar
 CHANDRAKAR
 C.L. MARKANDEY

		Solar water pumping system for drinking & other purpose along with RO for drinking water.	Rs. 5
		Rain Water Harvesting developed at govt. school in urla achholi, Raipur.	Rs. 1
		Plantation with dripping system at govt. school in urla achholi, Raipur.	Rs. 1.5
		Total	Rs. 10.5

- ii. The company shall have a well laid down environmental policy duly approve by the Board of Directors. The environmental policy should prescribe for standard operating procedures to have proper checks and balances and to bring into focus any infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions. The company shall have defined system of reporting infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions and / shareholders / stake holders. The copy of the board resolution in this regard shall be submitted to the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi / SEIAA, Chhattisgarh as a part of six-monthly report.
- iii. A separate Environmental Cell both at the project and company head quarter level, with qualified personnel shall be set up under the control of Senior Executive, who will directly to the head of the organization.
- iv. Action plan for implementing EMP and environmental conditions along with responsibility matrix of the company shall be prepared and shall be duly approved by competent authority. The year wise funds earmarked for environmental protection measures shall be kept in separate account and not to be diverted for any other purpose. Year wise progress of implementation of action plan shall be reported to the Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur / SEIAA, Chhattisgarh along with the Six Monthly Compliance Report.
- v. Self environmental audit shall be conducted annually. Every three years third party environmental audit shall be carried out.
- vi. All the recommendations made in the Charter on Corporate Responsibility for Environment Protection (CREP) for the plants (if any) shall be implemented.
- vii. Environment Clearance will be valid as per the provision of EIA Notification, 2006 (As Amended).

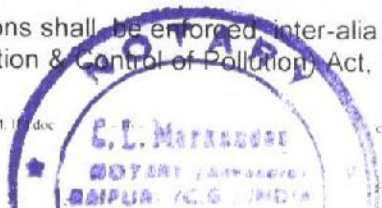
X. Miscellaneous

- i. No additional land shall be acquired for this project.
- ii. Local persons shall be given employment during development and operation of the plant.



Handwritten signature and stamp of C.L. NARAYAN, RAIPUR, CHHATTISGARH.

- iii. The project proponent shall make public the environmental clearance granted for their project along with the environmental conditions and safeguards at their cost by prominently advertising it at least in two local newspapers of the District or State, of which one shall be in the vernacular language within seven days and in addition this shall also be displayed in the project proponent's website permanently.
- iv. The copies of the environmental clearance shall be submitted by the project proponents to the Heads of Local Bodies, Panchayats and Municipal Bodies in addition to the relevant offices of the Government who in turn has to display the same for 30 days from the date of receipt.
- v. The project proponent shall upload the status of compliance of the stipulated environment clearance conditions, including results of monitored data on their website and update the same on half-yearly basis.
- vi. The project proponent shall monitor the criteria pollutants level namely; PM₁₀, SO₂, NO_x (ambient levels as well as stack emissions) or critical sectoral parameters (if any), indicated for the projects and display the same at a convenient location for disclosure to the public and put on the website of the company.
- vii. The project proponent shall submit six-monthly reports on the status of the compliance of the stipulated environmental conditions on the website of the ministry of Environment, Forest and Climate Change at environment clearance portal.
- viii. The project proponent shall submit the environmental statement for each financial year in Form-V to Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) as prescribed under the Environment (Protection) Rules, 1986, as amended subsequently and put on the website of the company. The project proponent shall inform the Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur as well as SEIAA, Chhattisgarh the date of financial closure and final approval of the project by the concerned authorities, commencing the land development work and start of production operation by the project.
- ix. The project authorities must strictly adhere to the stipulations made by the Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) and the State Government.
- x. The project proponent shall abide by all the commitments and recommendations made in the EIA / EMP report and also that during their presentation to the State Expert Appraisal Committee
- xi. No further expansion or modifications in the plant shall be carried out without prior approval of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi / SEIAA, Chhattisgarh.
- xii. Concealing factual data or submission of false / fabricated data may result in revocation of this environmental clearance and attract action under the provisions of Environment (Protection) Act, 1986.
- xiii. SEIAA, Chhattisgarh may revoke or suspend the clearance, if implementation of any of the above conditions is not satisfactory.
- xiv. SEIAA, Chhattisgarh reserves the right to stipulate additional conditions if found necessary. The Company in a time bound manner shall implement these conditions.
- xv. The Regional Office Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur shall monitor compliance of the stipulated conditions. The project authorities should extend full cooperation to the officer (s) of the Regional Office by furnishing the requisite data / information / monitoring reports.
- xvi. The above conditions shall be enforced inter-alia under the provisions of the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974, the Air (Prevention



Handwritten signature and date: 17 FEB 2014

& Control of Pollution) Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986, Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 and the Public Liability Insurance Act, 1991 along with their amendments and Rules and any other orders passed by the Hon'ble Supreme Court of India / High Courts and any other Court of Law relating to the subject matter.

- xvii. Any appeal against this EC shall lie with the National Green Tribunal, if preferred, within a period of 30 days as prescribed under Section 16 of the National Green Tribunal Act, 2010.

सदस्य सचिव

राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण

छत्तीसगढ़

पू.क. / एस.ई.आई.ए.ए.छ.ग./ ई.सी./ रायपुर / 734 अटल नगर, दिनांक / / 2019
प्रतिलिपि :-

1. डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पृथ्वी विंग, द्वितीय मंजिल, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली - 100003
2. अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय (पश्चिम मध्य जोन), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भू-तल, पूर्व विंग, नया सचिवालय भवन, सिविल लाईन, नागपुर (महाराष्ट्र)
3. सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, सेक्टर - 19, अटल नगर, जिला - रायपुर (छत्तीसगढ़)
4. सदस्य सचिव, सेन्ट्रल ग्राउण्ड वाटर बोर्ड, वेस्ट ब्लॉक-II, विंग-3, ग्राउण्ड फ्लोर, सेक्टर-1, आर.के. पुरम, नई दिल्ली - 110066
5. कलेक्टर, जिला - रायपुर (छ.ग.) की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सदस्य सचिव

राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण

छत्तीसगढ़

